



वन उत्पादकता संस्थान, रांची

कंप्यूटर नेटवर्किंग और हार्डवेयर
विषय पर
तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
(25.11.2020 to 27.11.2020)



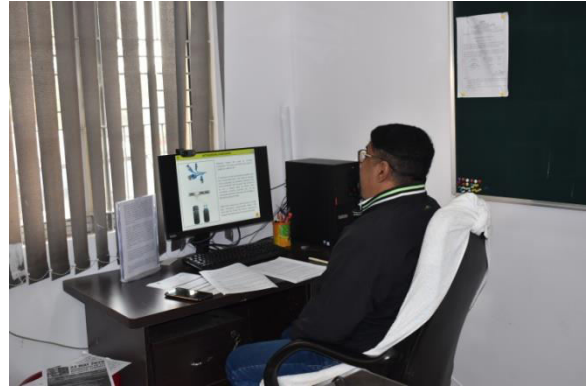
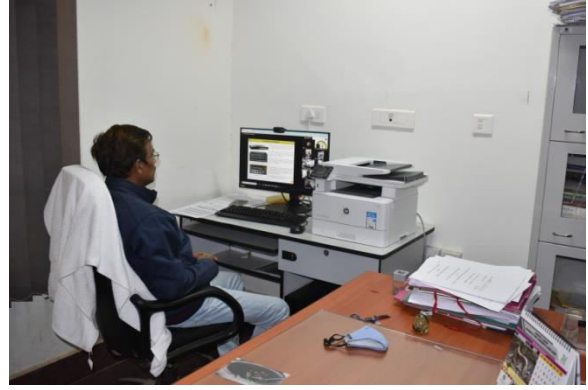
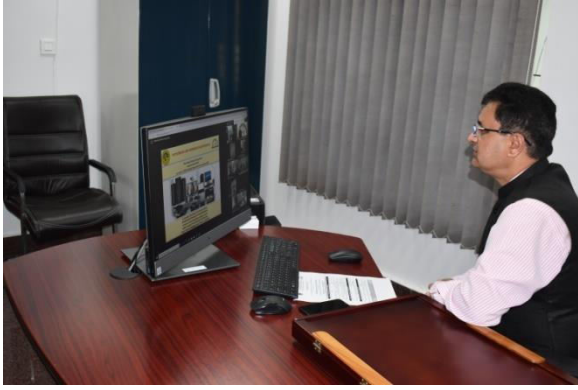
वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा मानव संसाधन विकास (HRD) कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा प्रायोजित “कंप्यूटर नेटवर्किंग और हार्डवेयर” विषय पर तीन दिवसीय (25.11.2020 से 27.11.2020 तक) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आभाषीय मंच (Video Conferencing) के द्वारा किया गया जिसमें वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून; उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर; वन अनुसंधान कौशल विकास केंद्र, छिंदवाड़ा; शुष्कवन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर; वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद; वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु एवं वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर के 50 तकनीकी कर्मचारियों एवं अधिकारियों तथा वन उत्पादकता संस्थान, रांची के प्रशासनिक तथा तकनीकी कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने ऑनलाइन माध्यम से किया। इस अवसर पर डॉ. कुलकर्णी ने अपने उद्घाटनीय सम्भाषण में प्रतिभागियों को बताया कि असीमित डेटा प्रवाहकाल में हालांकि आज कोई नेटवर्क नहीं है जो हमलों से पूर्ण रूप से सुरक्षित है, अतः क्लाउंट डेटा की सुरक्षा के लिये एक स्थिर और कुशल नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली आवश्यक है। उद्घाटन सत्र में संस्थान के वैज्ञानिक डां योगेश्वर मिश्रा एवं डां शरद तिवारी ने भी अपने अनुभव से प्रशिक्षणार्थियों को लाभां वित किया।

तकनीकी सत्र की शुरुवात करते हुए पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. शम्भुनाथ मिश्रा ने सभी 50 प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कंप्यूटर नेटवर्किंग और हार्डवेयर के रखरखाव पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन डॉ. स्वागता घोष ने डिजिटल युग, डिजिटल लेन-देन, बैंकिंग आदि क्षेत्रों में हो रहे साइबर क्राइम को विस्तार से समझाया। साइबर से बचने के लिये हमें क्या सावधानियां रखनी चाहिए इसपर प्रतिभागियों की जिज्ञासा को अपनी तार्किक अभिव्यक्ति से संतुष्ट किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन श्रीमती रुबी सुसाना कुजुर, वैज्ञानिक, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने नेटवर्क प्रोटोकॉल के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि नेटवर्क प्रोटोकॉल विभिन्न नेटवर्क उपकरणों को एक-दूसरे के साथ संवाद करने की अनुमति देता है और इसका उपयोग महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के लिए किया जा सकता है। उपकरणों का इंटरनेट से जुड़ने, फ़ाइलों को स्थानांतरित करने से लेकर, उपकरणों के बीच कनेक्शन (connection) की पहचान और स्थापना शामिल है। इसके अलावा, संवाद पैकेजिंग को निर्दिष्ट करने, संदेश भेजने और प्राप्त करने के लिए प्रारूपण नियम हैं। इसके अतिरिक्त, संदेश पावती (message acknowledgement) और डेटा संपीड़न (data compression) के लिए भी प्रोटोकॉल हैं। यह विश्वसनीय और उच्च प्रदर्शन वाले नेटवर्क संचार की स्थापना में भी सक्षम बनाता है। आई.ओ.टी (I.O.T) प्रोटोकॉल आज दुनिया भर में सभी वाई-फाई (wi-fi) उपकरणों को नेटवर्क के इस जंगल में विभिन्न उपकरणों के बीच संवाद करने में मदद करते हैं।

कार्यक्रम समापन से पूर्व निदेशक महोदय ने पुनः प्रतिभागियों को प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान के उचित उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया। डॉ. शरद तिवारी, वैज्ञानिक-एफ ने धन्यवाद ज्ञापन किया एवं डॉ. शम्भुनाथ मिश्रा ने प्रतिक्रिया पत्र (Feedback Form) भेजने का आग्रह करते हुए प्रशिक्षण समाप्ति की घोषणा की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विस्तार प्रभाग, सूचना एवं जन सम्पर्क प्रभाग तथा सम्पदा प्रभाग की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।



“कंप्यूटर नेटवर्किंग और हार्डवेयर” विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ

कंप्यूटर नेटवर्किंग और हार्डवेयर का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन डेटा की सुरक्षा के लिए कुशल नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली आवश्यक : डॉ कुलकर्णी



संवाददाता

पिस्का नगड़ी : वन उत्पादकता संस्थान, लाल गुटवा, नगड़ी (रांची) के तत्वाधान में मानव संसाधन विकास योजना के तहत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा प्रायोजित कंप्यूटर नेटवर्किंग और हार्डवेयर विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने ऑनलाइन माध्यम से किया। इस अवसर पर डॉ. कुलकर्णी ने अपने उद्घाटन भाषण में प्रतिभागियों को

बताया कि आज कोई नेटवर्क नहीं है जो हमलों से पूर्ण रूप से सुरक्षित है, अतः क्लाउंट डेटा की सुरक्षा के लिए एक स्थिर और कुशल नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली आवश्यक है। एक अच्छी नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली डेटा चोरी के शिकार होने के जोखिम को कम करने में मदद करती है। उन्होंने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून एवं भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के इस पहल की सराहना की और बताया कि वर्तमान

प्रशिक्षण कार्यक्रम सहभागियों के लिए व्यावहारिक दिशा निर्देश - प्रदान करने वाला होगा। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. शम्भूनाथ मिश्रा ने मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत होने वाले प्रशिक्षण में भाग लेने वाले वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, जबलपुर, छिंदवाड़ा, जोधपुर, हैदराबाद, जोरहाट, बंगलुरु, कोयंबटूर एवं रांची के तकनीकी अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कंप्यूटर नेटवर्किंग और कंप्यूटर हार्डवेयर के रखरखाव, साइबर खतरे और सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। मुख्य वक्ता डॉ. एसएन मिश्रा, आर एस कुजूर एवं रांची विश्वविद्यालय, रांची से डॉ.स्वागता घोष हैं। डॉ. शरद् तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर संस्थान के डॉ योगेश्वर मिश्रा एवं संस्थान के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कंप्यूटर नेटवर्किंग और हार्डवेयर विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

पिस्का नगड़ी : वन उत्पादकता संस्थान, लाल गुटवा, नगड़ी (रांची) के तत्वाधान में मानव संसाधन विकास योजना के तहत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा प्रायोजित कंप्यूटर नेटवर्किंग और हार्डवेयर विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने ऑनलाइन माध्यम से किया। इस अवसर पर डॉ. कुलकर्णी ने अपने उद्घाटन भाषण में प्रतिभागियों को बताया कि आज कोई नेटवर्क नहीं है जो हमलों से पूर्ण रूप से सुरक्षित है, अतः क्लाउड डेटा की सुरक्षा के लिए एक स्थिर और कुशल नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली आवश्यक है। एक अच्छी नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली डेटा चोरी के शिकार होने के जोखिम को कम करने में मदद



करती है। उन्होंने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून एवं भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के इस पहल की सराहना की और बताया कि वर्तमान प्रशिक्षण कार्यक्रम सहभागियों के लिए व्यावहारिक दिशा निर्देश - प्रदान करने वाला होगा। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शम्भूनाथ मिश्रा ने

मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत होने वाले प्रशिक्षण में भाग लेने वाले वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, जबलपुर, छिंदवाड़ा, जोधपुर, हैदराबाद, जोरहाट, बंगलुरु, कोयंबटूर एवं रांची के तकनीकी अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कंप्यूटर नेटवर्किंग और कंप्यूटर हार्डवेयर के

रखरखाव, साइबर खतरे और सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

मुख्य वक्ता डॉ. एसएन मिश्रा, आर एस कुजूर एवं रांची विश्वविद्यालय, रांची से डॉ. स्वागता घोष हैं। डॉ. शरद तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर संस्थान के डॉ. योगेश्वर मिश्रा एवं संस्थान के कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

डेटा की सुरक्षा के लिए कुशल नेटवर्क प्रणाली जरूरी : कुलकर्णी

पिस्कानगड़ी. नगड़ी के लालगुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान में मानव संसाधन विकास योजना के तहत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून की ओर से प्रायोजित कंप्यूटर नेटवर्किंग और हार्डवेयर विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी ने ऑनलाइन किया. डॉ कुलकर्णी ने कहा कि डेटा की सुरक्षा के लिए स्थिर और कुशल नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली आवश्यक है. उन्होंने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून एवं भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नयी दिल्ली के पहल की सराहना की. पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ शंभनाथ मिश्रा ने तकनीकी अधिकारियों का स्वागत किया. मुख्य वक्ता डॉ एसएन मिश्रा, आरएस कुजूर एवं रांची विवि से डॉ स्वागता घोष थे. डॉ शरदु तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया. इस अवसर पर संस्थान के डॉ योगेश्वर मिश्रा एवं संस्थान के कर्मचारी गण उपस्थित थे.

■ 'कंप्यूटर नेटवर्किंग व हार्डवेयर' विषय पर प्रशिक्षण का उद्घाटन, निदेशक ने कहा- प्रशिक्षण से सहभागियों को मिलेगा व्यावहारिक दिशा निर्देश

देशप्राण संवाददाता

पिस्का नगड़ी, 25 नवंबर : वन उत्पादकता संस्थान, लाल मुटवा, नगड़ी (रांची) के तत्वावधान में मानव संसाधन विकास योजना के तहत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा प्रायोजित 'कंप्यूटर नेटवर्किंग और हार्डवेयर' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने ऑनलाइन माध्यम से किया।

इस अवसर पर डॉ. कुलकर्णी ने अपने उद्घाटन भाषण में प्रतिभागियों को बताया कि आज कोई नेटवर्क नहीं है जो हमलों से पूर्ण रूप से सुरक्षित है। क्लाउड डेटा की सुरक्षा के लिए एक स्थिर और कुशल नेटवर्क सुरक्षा



ऑनलाइन प्रशिक्षण देते विशेषज्ञ।

प्रणाली आवश्यक है। एक अच्छी नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली डेटा चोरी के शिकार होने के जोखिम को कम करने में मदद करती है। उन्होंने भारतीय वानिकी

अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून एवं भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नयी दिल्ली के इस पहल की सराहना की और

बताया कि वर्तमान प्रशिक्षण कार्यक्रम सहभागियों के लिए व्यावहारिक दिशा निर्देश-प्रदान करने वाला होगा।

पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ.

शम्भूनाथ मिश्रा ने मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत होने वाले प्रशिक्षण में भाग लेने वाले वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, जबलपुर, छिंदवाड़ा, जोधपुर, हैदराबाद, जोरहाट, बंगलुरु, कोयंबटूर एवं रांची के तकनीकी अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कंप्यूटर नेटवर्किंग और कंप्यूटर हार्डवेयर के रखरखाव, साइबर खतरों और सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी जायेगी। मुख्य वक्ता डॉ. एसएन मिश्रा, आर एस कुजूर एवं रांची विश्वविद्यालय, रांची से डॉ. स्वागता घोष हैं। डॉ. शरद तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर संस्थान के डॉ. योगेश्वर मिश्रा एवं संस्थान के कर्मचारी गण उपस्थित रहे।